educate the people so that the problem is solved.

13.21 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need to construct an airport near Simla

श्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश सम्भवतः देश में एक मात्र राज्य है जिसकी राजधानी देश के दूसरे भागों से हवाई सेवा से जुड़ी हुई नहीं है। भारत सरकार के नागरिक उड्डयन तथा पर्यटन मंत्रालय ने शिमला के निकट जब्बर हट्टी में हवाई अड्डा बनाने की योजना स्वीकृत की है। 15 अप्रैल, 1982 को तत्कालीन केन्द्रीय उड्डयन तथा पर्यटन मंत्री ने इसका शिलान्यास रखा। तत्पश्चात् हिमाचल राज्य सरकार ने इस हवाई अड्डे के निर्माण का कार्य आरम्भ किया।

केन्द्रीय पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच हुई बातचीत के आधार पर हिमाचल सरकार ने इस हवाई अड्डे को शिमला से जोड़ने के लिये लगभग 20 किमी० पक्की सड़क का निर्माण कर लिया है। अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण कर ली है और किसानों को मुआवजा स्वयं दिया है और विस्थापित परिवारों को भी अपने खर्च पर फिर से बसाया है।

इसके अतिरिक्त हवाई पट्टी बनाने के लिए पहाड़ को काटने का काम हिमाचल लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया जिस पर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक व्यय हुआ।

शिमला में हवाई अड्डे का होना न केवल यातायात की सुविधा के लिये ही आवश्यक है बल्कि पर्यटन के विकास के लिए भी अतिआवश्यक है। अतः मैं केन्द्रीय पर्यटन एवं नागरिक मंत्री महोदय से प्रार्थना करता हूं कि वह इस हवाई अड्डे के निर्माण के लिए तुरन्त प्रभावशाली पग उठायें तथा इसके लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था करें। मेरी यह भी प्रार्थना है कि इस अड्डे का निर्माण पूर्व योजना के अनुसार हो और शिमला के लिए एक आधुनिक एवं सर्व-सुविधा युक्त हवाई अड्डे की सुविधा प्रदान करे।

(ii) Need to take steps to protect 'bees' from 'sake wood' disease in Bihar

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष जी, मधुमक्खी पालन उद्योग भारत में अन्य देशों की तरह सरकारी, गैर-सरकारी एजेन्सियों द्वारा चल रहा है। उत्तर भारत में बिहार मधुमक्खी पालन उद्योग के लिए, अब तक काफी अनुकूल साबित हुआ है। मधुमक्खी पालन उद्योग बिहार में सीमान्त किसान, मजदूरों के लिए वरदान साबित हुआ है। वे इसे अपनी जीविका का आधार बना खुशहाली का जीवन जीते हैं। मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चम्पारण आदि बिहार के जिलों में हजारों टन मधु का उत्पादन साधारण बात हो गयी थी।

पर मधुमक्खी वंश में विगत चार वर्ष पूर्व (सन् 1979-80) से एकाएक कोप शिशु रोग (सिक ब्रुड) नामक एक अन्य, विषाणु रोग जो जातक को संक्रमित करता है देखा गया। यह रोग दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। इस रोग की रोकथाम के लिए पालक बिहार के सरकारी, गैर सरकारी एजेन्सियों के पदाधिकारियों ने संबंधित वैज्ञानिकों की मदद लेने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इसकी जांच एवं रोकथाम के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग, केन्द्रीय मधुमक्खी पालन अनुसंधान पुणे में प्रयोग हो रहा है। अन्य देश के वैज्ञानिक भी इस रोग की रोकथाम में लगे हैं। यह रोग प्रान्त के अन्य जिलों, पटना, रांची आदि कई जिलों में भी फैल गया। जो पालक इस रोग की चपेट में आ गये वे बेसहारा और भुखमरी के शिकार बन गये।

समय पर अगर इस रोग की रोकथाम नहीं हुई, तो सारे भारत के मधुमक्खी वंश का सर्वनाश निकट भविष्य में हो जायेगा।

अतः मधुमक्खी वंश के विनाशी रोग की रोकथाम के लिए भारत सरकार के कृषि मंत्री का ध्यान मैं इस ओर दिलाना चाहता हूं कि वह अपनी शक्ति लगाकर इस रोग की रोकथाम का पूरा प्रयत्न करें।

(iii) Need to take steps to improve economic condition of rickshaw-pullers

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में साइकिल रिक्शा चलाने वाले लोगों की स्थिति अत्यन्त दयनीय हो गयी है। इस कार्य में लगे हुए लोग आर्थिक दृष्टि से तो घोर संकट का सामना कर ही रहे हैं, साथ ही शारीरिक रूप से भी वे अत्यन्त कमजोर हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार के अन्याय और शोषण का सामना करना पड़ता है। इन लोगों की मांगों पर सरकार ठीक तरह से ध्यान नहीं दे रही है जिससे इनकी कठिनाइयां दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही हैं। रिक्शा चालकों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिये सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिये और उनकी कठिनाइयों को दूर करने के लिए कारगर कदम उठाने चाहिए। उनके शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने के लिए भी सरकार को आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिये।

(iv) Need for more communication facilities in Ghazipur district in U.P. and to improve working of present facilities

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : उपाध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में संचार सुविधाओं का बहुत अभाव है। जो सुविधाएं उपलब्ध हैं वह भी ठीक प्रकार से काम नहीं कर पा रही हैं। विभागीय मापदण्डों के अनुसार उप डाकघर व शाखा डाकघर बहुत स्थानों पर खोले जाने की गुंजाइश है। डाकघर खोले जाने के प्रस्ताव की जांच ठीक प्रकार से नहीं की जाती। अनेकों ऐसे उदाहरण हैं, जिसमें एक डाकघर से दूसरे डाकघर की दूरी सम्पर्क मार्गों के आधार पर न करके हवाई दूरी के आधार पर नापी गई है। नये उप डाकघर व शाखा डाकघर नहीं खुल पा रहे हैं। जो खुले हैं उनकी संख्या नगण्य है। गाजीपुर एक पिछड़ा जिला है और इसे पिछड़ा जिला मानकर डाक सुविधाओं में वृद्धि की जानी चाहिए।

अनेकों डाकघरों में जहां टेलीग्राफिक व्यवस्था है वह ठीक प्रकार से काम नहीं कर रही हैं। इसी प्रकार से पी०सी०ओज० के टेलीफोन बराबर खराब रहने की शिकायत मिलती रहती है।

गाजीपुर में इलेक्ट्रोनिक टेलीफोन केन्द्र खोले जाने का प्रस्ताव है। उक्त केन्द्र छठी पंचवर्षीय योजना में खुल जाना चाहिए। अभी तक टेलीफोन केन्द्र खोलने का काम शुरू नहीं हुआ है।

मेरा संचार मंत्री से निवेदन है कि उल्लिखित मामलों पर तत्काल ध्यान दें और गाजीपुर में संचार सुविधाओं की वृद्धि और मौजूदा सुविधाओं की कार्य प्रणाली में सुधार की उचित व्यवस्था करने का प्रबन्ध करें।

(v) Harassment of innocent labourers of U.P. and Bihar by police at Delhi Railway Station

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार, उत्तर प्रदेश से जो गरीब हरियाणा, पंजाब या दिल्ली में मजदूरी करने के लिए आते हैं या मजदूरी कर वापिस लौटते हैं, दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उनसे पुलिस द्वारा सारा पैसा छीन लिया जाता है एवं उसे मारपीट कर किंग्सवे कैंप स्थित सेवा कुटीर के बैगर्स होम में रख दिया जाता है। सालों उससे मजदूरी करवाई जाती है, छोड़ने के समय एक पैसा भी नहीं दिया जाता। इस तरह के दो केस मेरी जानकारी में आए हैं। एक मेंधूसदा बिहार के खगरिया जिलांतर्गत औराही गांव का रहने वाला एक गरीब हरिजन है। एक साल के बाद पंजाब से मजदूरी कर घर लौट रहा था तो पुलिस द्वारा उसके टिकट को फाड़ दिया गया और उसका सब पैसा छीन लिया गया। उसे बुरी तरह पीटकर सेवा कुटीर में ले जाकर बंद कर दिया गया। एक साल तक उससे बंधुआ मजदूर के